हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 114 देहरादून, बृहस्पतिवार, 20 अक्टूबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सेप्टेज प्रबंधन पर स्टेट एवेंट ऑन सेनिटेशन कार्यक्रम में मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने गिनाई उपलब्धियां 3

शिखर पर उत्तराखंड, हर सम्भव प्रयास जारी है : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 19 अक्टूबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्पष्ट किया कि जहाँ भी राज्यहित या जनहित में जरूरत पड़ी तो सरकार कठोर फैसले लेने से पीछे नही हटेगी। सरकार द्वारा उत्तराखण्ड को प्रत्येक क्षेत्र में शिखर पर ले जाने के लिए आगामी 10 वर्षों का रोडमैप बना दिया गया है। लेकिन यह विकास ईकोलॉजी और ईकोनॉमी के बीच संतुलन पर आधारित होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक नई कार्य-संस्कृति और कार्य-व्यवहार आया है।

जनहित में केन्द्र तथा राज्यों में त्वरित निर्णय लिए जा रहे है। हमने भी उत्तराखण्ड को विश्व की आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का दृढ़ संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि आगामी केदारनाथ-बद्रीनाथ यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केदारनाथ में केबिल कार, हेमकुण्ड साहिब के लिए रोपवे तथा माणा गांव के लिए जाने वाली टू लेन सड़कों सहित महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रशिखर पर उत्तराखंडर

कार्यक्रम में बोल रहे थे।

इस दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमने व्यक्तिगत जीवन, राजनीतिक क्षेत्र से लेकर विकास की यात्रा में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, परंतु जो इन चुनौतियों को अवसर में बदलता है वही सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ता है।

समस्याओं के समाधान हेतु संवाद जरूरी : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के विकास में आमजन के साथ संवाद एवं उनकी सहभागिता को जरूरी बताया, उन्होंने कहा संवाद के माध्यम से हमें लोगों की राय पता चलती है, जिससे हमे सही रास्ते में चलते की प्रेरणा मिलती है, उन्होंने कहा घर, परिवार, संगठन, पार्टी एवं जनता के बीच संवाद लगातार जारी रखना चाहिए, संवाद से ही जनता एवं सरकार के बीच की दूरी घटती है, जनता में सरकार के प्रति विश्वास पैदा होता है।

ऐतिहासिक रही चार धाम यात्रा

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद चली चारधाम यात्रा में अब तक 42 लाख से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं, उन्होंने केदारनाथ में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने पर दुख जताते हुए कहा कि हमने इसके जांच के आदेश दिए हैं एवं आगे इस तरह की दुर्घटनाएं ना हो इसके लिए भी ठोस नीति बनाने को कहा है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संपूर्ण केदार घाटी का दिव्य एवं भव्य निर्माण कार्य चल रहा है साथ ही बद्रीनाथ धाम में भी मास्टर प्लान के अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों की शुरुआत हो गई है। इस अवसर पर स्वामी चिदानंद सरस्वती जी महाराज, पद्मश्री संतोष यादव, पद्मश्री बसंती देवी, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, विनीता यादव,मौजूद रहे।

उत्तराखंड का मौसम : ऊंचे इलाकों में बर्फबारी से अगले 2 दिनों में बढ़ेगी ठंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 19 अक्टूबर। यमुनोत्री धाम में सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। वहीं हेमकुंड साहिब समेत अन्य धामों में हल्की बर्फबारी जारी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों तक चारधाम यात्रा के रुकने पर चोटियों पर बर्फबारी और हल्की बारिश हो सकती है.उत्तराखंड से मानसून सामान्य से करीब दो हफ्ते देरी से 15 अक्टूबर को विदा हुआ। इस दौरान राज्य में मानसून की बारिश सामान्य से थोड़ी अधिक रही। हालांकि, अब राज्य के ज्यादातर इलाकों में आसमान साफ है। लेकिन, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी का सिलसिला शुरू हो गया है.केदारनाथ की चोटियों पर पिछले दो सप्ताह से रुक-रुक कर हिमपात हो रहा है।

इसके अलावा मंगलवार को यमुनोत्री के गंगोत्री में भी बर्फबारी हुई। ऊंचाई वाले इलाकों में छिटपुट जगहों पर हल्की बारिश भी दर्ज की गई। कुमाऊं संभाग के पिथौरागढ़ जिले की चोटियों और आदि कैलास क्षेत्र के चंपावत में बर्फबारी और गरज के साथ छींटे पड़े. इससे ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड बढ़ गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने कहा कि हिमालय की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी का सिलसिला जारी रहेगा.राज्य में अगले दो दिनों तक उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में छिटपुट स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। 3500 मीटर से ऊपर के इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। निचले इलाकों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है।

यूपी पीसीएस में चमके उत्तराखंड के होनहार, परीक्षा में टाप-10 में रहे राज्य के दो युवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 19 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (पीसीएस) परीक्षा-2021 में उत्तराखंड के युवाओं का डंका बजा है। राज्य के दो युवाओं ने इस परीक्षा में टाप-10 में जगह बनाई है। रुद्रपुर निवासी चंद्रकांत बागोरिया ने पांचवां स्थान हासिल किया है। जबकि दून की बेटी मल्लिका नैन दसवें स्थान पर हैं। कुल 678 पदों के लिए आयोजित इस परीक्षा में 627 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए हैं।

ऊधम सिंह नगर निवासी चंद्रकांत बगोरिया ने यूपीपीसीएस 2021 में पांचवीं रैंक हासिल की है। चंद्रकांत ने पहले ही प्रयास में यह सफलता प्राप्त की। वह संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा भी दे चुके हैं। वह तीन बार इंटरव्यू तक पहुंचे थे। इस बार उन्होंने यूपीपीसीएस में बाजी मार ली है।

दून के रायपुर रोड निवासी मल्लिका नैन ने यूपी-पीसीएस में खुद को साबित कर दिखाया है। वह अब उप जिलाधिकारी बनने की राह पर हैं। मल्लिका ने बताया कि उनके पिता राजेंद्र कुमार व्यवसायी हैं। वह काफी छोटी थीं, जब मां सुधा का देहांत हो गया।

पिता ने उनकी हर ख्वाहिश का सम्मान किया और पिता के साथ-साथ मां की भी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने ही तमाम चुनौतियों व विपरीत परिस्थितियों के बावजूद आगे बढ़ना सिखाया। मल्लिका ने वर्ष 2011 में ब्रुकलिन स्कूल से 86 प्रतिशत अंक के साथ बारहवीं की। इसके बाद एमए अर्थशास्त्र व बीएड भी किया। वहीं, केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा भी वह पास कर चुकी हैं।

यूपी-पीसीएस में उनका यह दूसरा प्रयास था। पहले प्रयास में वह सफल नहीं हुई थी। पर असफलता से सीख लेकर आगे बढ़ी और इस बार टाप-10 में जगह बनाई। उनकी छोटी बहन शिवांगी ने हाल ही में एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा पास की है। काबीना मंत्री के चचेरे भाई के घर दिनदहाड़े हुई डकैती में पुलिस ने चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है।

ऐसे मम्मी पापा का परिवार हमेशा मुस्कुराता है, क्या आप भी ऐसे हैं?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अक्टूबर । आज एक ऐसी खबर जिसका रिश्ता समाज से है परिवार से है आपसे है। जैसा कि हम सब जानते मानते हैं कि मां-बाप के मुंह से निकली हर एक बात अहम होती है और बच्चे पर असर करती है। बच्चे को मोटिवेट करने और सही रास्ते पर लाने में पैरेंट्स के शब्द भी अहम भूमिका निभाते हैं। यहां हम आपको वन लाइनर्स के बारे में बता रहे हैं जो पैरेंट्स और बच्चों के रिश्ते को बेहतर बना सकते हैं।

कई बार बच्चों से बात करने का आपका तरीका ही काफी कुछ कर जाता है। पैरेंट्स के मुंह से ऐसी कई बातें निकल जाती हैं जो बच्चों के दिलो-दिमाग पर गहरा असर डालती हैं। यहां हम आपको कुछ ऐसे वन लाइनर्स के बारे में बता रहे हैं जिनका उपयोग आप बच्चों को डिसिप्लिन में रखने के लिए कर सकते हैं और बच्चों को भी इसका बुरा नहीं लगेगा।

मुझे पता है ये कितना मुश्किल है

जब माता-पिता की बात आती है, तो उन्हें न केवल बच्चों को यह बताना है कि क्या करना है और क्या नहीं करना है, बल्कि उनके साथ सहानुभूति, उनके संघर्षों को समझना भी है। जब आप जानते हैं कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं और आप समझ लेते हैं कि वे ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं, तो आप उनकी उलझनों को दूर कर पाते हैं। आप अपने बच्चे से यही कहें कि आप उसकी मुश्किलों को समझते हैं।

जब माता-पिता की बात आती है, तो उन्हें न केवल बच्चों को यह बताना है कि क्या करना है और क्या नहीं करना है, बल्कि उनके साथ सहानुभूति, उनके संघर्षों को समझना भी है। जब आप जानते हैं कि वे कैसा महसूस कर रहे हैं और आप समझ लेते हैं कि वे ऐसा क्यों महसूस कर रहे हैं, तो आप उनकी उलझनों को दूर कर पाते हैं। आप अपने बच्चे से यही कहें कि आप उसकी मुश्किलों को समझते हैं।

अपने बच्चे को शिष्टाचार के बारे में लगातार याद दिलाना थकाऊ हो सकता है। इससे आपको जल्दी गुस्सा आ सकता है। अनुशासनहीन होने के कारण आप उन पर चिल्ला भी सकते हैं या उन्हें डांट भी सकते हैं। लेकिन यह सही तरीका नहीं है। एक सरल एक लाइन है ₹हम कैसे पूछें?₹, ₹हम क्या कहते हैं?₹, ₹मैंने पहले क्या कहा था?₹ यह बच्चों को उनकी जिम्मेदारियों के बारे में याद दिलाने का एक बहुत ही सूक्ष्म लेकिन प्रभावी तरीका हो सकता है। हालांकि, आप ये प्रश्न कैसे पूछते हैं, यह भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें कंधे से थपथपाओ और प्यार से उनसे ऐसा कहें।

IIT-रुड़की ने 'कैंसर डिटेक्टर' विकसित किया और टाटा स्टील को अपनी तकनीक हस्तांतरित की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

IIT-रुड़की के शोधकर्ताओं की एक टीम ने एक उपयोग में आसान सांस आधारित कैंसर डिटेक्टर विकसित किया है। कैंसर का जल्द पता लगाने के लिए उपयोग किया जाता है, यह वर्णमिति के सिद्धांतों पर काम करेगा। शोधकर्ताओं के अनुसार यह उपकरण स्तन, फेफड़े और मुंह के कैंसर की उपस्थिति का पता लगाने में सक्षम होगा।शोधकर्ता - इंद्रनील लाहिड़ी, पार्थ रॉय और देबरूपा लाहिरी - संकाय सदस्य हैं। रॉय बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग विभाग में प्रोफेसर हैं जबकि इंद्रनील और देबरुपा मेटलर्जिकल और मैटेरियल्स इंजीनियरिंग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर हैं। साथ ही, IIT-रुड़की ने Tata Steel के साथ इस प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर हस्ताक्षर किए।बीएलओ डिटेक्टर उन लोगों की जांच के लिए महत्वपूर्ण होगा जो तीन प्रकार के कैंसर में से किसी एक के लिए अतिसंवेदनशील होते हैं। इस उपकरण का प्रारंभिक नैदानिक परीक्षण देहरादून के एक कैंसर अनुसंधान संस्थान में क्रमशः 96.1% और 94.6% की संवेदनशीलता और विशिष्टता के साथ किया गया।प्रोफेसर इंद्रनील लाहिरी ने कहा, ₹यह एक त्वरित, आसान, पॉकेट-फ्रेंडली ब्रेस्ट-फेफड़े-ओरल कैंसर स्क्रीनिंग डिवाइस है और एक व्यक्ति को बस इस डिवाइस में फूंकने की जरूरत है। परीक्षण के बाद, व्यक्ति सब्सट्रेट के रंग का मिलान कर सकता है। रंग कोड दिया गया है और स्तन, फेफड़े और मुंह के कैंसर होने की संभावना को समझते हैं।₹

बालों ग्रोथ बढ़ाने और चमकदार बनाने के लिए आजमाएं ये पान और घी के हेयर मास्क को

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सच कहूँ तो, मैं अपने बालों की देखभाल की दिनचर्या में अत्यधिक निवेशित व्यक्ति नहीं हूँ। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं क्षतिग्रस्त बालों या बालों के झड़ने की समस्या के साथ जी सकता हूं। बात सिर्फ इतनी है कि मुझे कुछ सरल लेकिन प्रभावी तरीके अपनाना पसंद है। एक महीने पहले, मेरे एक मित्र ने मेरे बालों के लिए पान का पत्ता (पान का पत्ता) का उपयोग करने का सुझाव दिया। मैं इसके बारे में पहले तो अनिश्चित था लेकिन फिर मैंने इसे आज़माने के बारे में सोचा! आखिर हम पान के पत्तों के फायदों से अच्छी तरह वाकिफ हैं तो मैंने सोचा क्यों न कोशिश करके देखें। आपको शायद यकीन न हो, लेकिन मैंने वास्तव में अपने बालों में बदलाव का अनुभव किया है।

पान के पत्तों के फायदे

इन दिल के आकार की पत्तियों का उपयोग पूजा में आध्यात्मिक और स्वास्थ्य दोनों उद्देश्यों के लिए किया जाता है क्योंकि ये समृद्धि और ताजगी का प्रतीक हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इसमें पोटेशियम, निकोटिनिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन बी 2 और विटामिन बी 1 सहित चिकित्सीय और अन्य आवश्यक विटामिन और खनिजों का खजाना है।

क्या पान के पत्ते बालों के विकास के लिए अच्छे हैं?

आहूजा कहते हैं, "बालों के विकास को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने के लिए पान के पत्तों का उपयोग किया जा सकता है। इसमें स्वस्थ बालों और रोगाणुरोधी और जीवाणुरोधी गुणों के लिए कई आवश्यक पोषक तत्व होते हैं जो इसे कंडीशनिंग करते समय आपके बालों को घना और लंबा बनाने में मदद करते हैं। इसके अतिरिक्त, पान के पत्ते खुजली, रूसी और विभाजन समाप्त होने के उपचार में सहायता करते हैं क्योंकि यह कवक के गठन को रोकता है और एलर्जी से बचाव करता है। एक गेम चेंजर पोषक तत्व जो पान में होता है वह है विटामिन सी।

यहां बताया गया है कि आप पान के पत्तों और घी से यह हेयर मास्क कैसे बना सकते हैंसामग्रीः

5-10 पान के पत्ते (आप अपने बालों की लंबाई के अनुसार और जोड़ सकते हैं)2-3 बड़े चम्मच घीशहद का एक बड़ा चमचापानी

सेप्टेज प्रबंधन पर स्टेट एवेंट ऑन सेनिटेशन कार्यक्रम में मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने गिनाई उपलब्धियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 19 अक्टूबर। राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (एनआईयूए) और शहरी विकास निदेशालय की ओर से सेप्टेज प्रबंधन पर स्टेट एवेंट ऑन सेनिटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर शहरी विकास मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया और कार्यक्रम को सेप्टेज प्रबन्धन के कार्यों को गति प्रदान करने वाला बताया। इस मौके पर नौ नगर निकायों को मंत्री डा. अग्रवाल ने सेप्टेज का निस्तारण करने की दिशा में सराहनीय कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। साथ ही नोट ऑन को-ट्रीटमेंट, सेप्टेज प्रोटोकॉल पर एडवाइजरी तथा स्टेट इन्वेस्मेंट प्लान का विमोचन किया गया।

डा. अग्रवाल ने बताया कि इस प्रोटोकॉल के जरिए शहरी निकायों को सेप्टेज मैनेजमेंट सेल का गठन करने, उप विधि बनाने तथा सेप्टेज के सुरक्षित प्रबन्धन के निर्देश दिए गए हैं। डा. अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के 93 निकायों में सेप्टेज मैनेजमेंट सेल का गठन किया गया है तथा 34 निकायों द्वारा उप विधि अधिसूचित कर दी गयी है।डा. अग्रवाल ने बताया कि राज्य का पहला फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट रूद्रपुर में निर्माणाधीन है जो कि शीघ्र ही क्रियान्वित किया जायेगा। इस प्लांट के द्वारा रूद्रपुर के अतिरिक्त 09 अन्य शहर भी लाभान्वित होंगे। कहा कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के साथ-साथ फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के इस्तेमाल से शहरों की समावेशी स्वच्छता को प्राप्त करने में राज्य को सहयोग प्राप्त होगा।

इस अवसर पर शहरी विकास मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल ने सेप्टेज निस्तारण की दिशा में उत्कृष्ट कार्य कर रहे निकायों (हरिद्वार, ऋषिकेश, रूद्रपुर, रामनगर, हल्द्वानी, जबकि ओडीएफ अवॉर्ड से सम्मानित निकाय देहरादून, चंबा, रूड़की, मुनिकीरेती) को प्रशस्ति पत्र देकर अन्य निकायों को भी इनसे प्रेरणा लेने को कहा। इस मौके पर नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन को लेकर एनआईयूए और शहरी विकास निदेशालय के बीच मंत्री डा. अग्रवाल जी की मध्यस्थता में अनुबंध किया गया। साथ ही नोट ऑन को-ट्रीटमेंट, सेप्टेज प्रोटोकॉल पर एडवाइजरी तथा स्टेट इन्वेस्मेंट प्लान का विमोचन किया गया। इस मौके पर एनआईयूए (राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान) के एडवाइजर राजीव रंजन, सचिव शहरी विकास दीपेंद्र चौधरी, निदेशक शहरी विकास नवनीत पांडे, मुख्य महाप्रबंधक जल संस्थान नीलिमा गर्ग, रूद्रपुर मेयर रामपाल सिंह सहित विभिन्न निकायों के नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, सेनेटरी इंस्पेक्टर, निदेशालय के विभागीय अधिकारी व कर्मचारी तथा एनआईयूए के कर्मचारी मौजूद रहे।

केदारनाथ के पास हेलीकॉप्टर दुर्घटना की तकनीकी जांच करेगा डीजीसीए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय केदारनाथ धाम से गुप्तकाशी लौटते समय गरुड़चट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलीकॉप्टर की तकनीकी जांच करेगा। हादसे के बाद डीजीसीए की विशेषज्ञ टीम जांच के लिए मौके पर रवाना हो गई है। इसके अलावा सरकार ने दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए डीएम रुद्रप्रयाग को मजिस्ट्रियल जांच का जिम्मा सौंपा है.चारधाम यात्रा के दौरान गुप्तकाशी, सिरसी, फाटा से केदारनाथ धाम तक हेली सेवा संचालित होती है। जिसमें नौ विमानन कंपनियों के माध्यम से शटल सेवा चलाई जाती है। मंगलवार को हुए हादसे की तकनीकी जांच के लिए डीजीसीए की टीम दिल्ली से उत्तराखंड पहुंचकर मौके के लिए रवाना हो गई है.हेलीकॉप्टर के इंजन में तकनीकी खराबी या केदार घाटी में खराब मौसम के कारण घना कोहरा दुर्घटना का कारण बताया जा रहा है, इसकी जांच डीजीसीए के विशेषज्ञों की टीम करेगी. दुर्घटना के कारणों की भी सरकार डीएम रुद्रप्रयाग के माध्यम से जांच कर रही है। हेलीकॉप्टर में सात सीटों की क्षमता थी। यह

एक बार में एक पायलट और 6 यात्रियों को ले जा सकता है।उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त सचिव और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सी रविशंकर ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के आधार पर खराब मौसम को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है।

देहरादून : संपत्ति कर चूक के लिए 82 सरकारी विभागों को नोटिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून नगर निगम ने 82 सरकारी विभागों को संपत्ति कर का भुगतान करने में विफल रहने के लिए नोटिस भेजा है और उन्हें आवश्यक दस्तावेज जमा करने के लिए एक महीने का समय दिया है. डीएमसी टैक्स डिफॉल्टर्स की पहचान करने की प्रक्रिया में है और उसने इस महीने की शुरुआत में भी लोगों को नोटिस भेजे थे।कुछ सरकारी विभागों को भी कुछ महीने पहले अधिसूचित किया गया था। मंगलवार को नगर निगम ने इन विभागों को नए सिरे से नोटिस भेजे। अब तक जिन प्रमुख चूककर्ताओं की पहचान की गई है, उनमें स्टेट इंफ्रास्ट्रक्चर एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन उत्तराखंड लिमिटेड, डाक विभाग के कुछ कार्यालय, टेलीफोन विभाग, उत्तराखंड पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड, सब-स्टेशन सर्वे एस्टेट राजपुर रोड, मुख्य संरक्षक वन कार्यालय, परिवहन विभाग शामिल हैं। कार्यालय, जिला विकास कार्यालय, एलआईसी भवन और आयकर आयुक्त कार्यालय।

इसकी पुष्टि करते हुए, डीएमसी के कर अधीक्षक धर्मेश पनौली ने कहा, ₹इन विभागों को नोटिस भेजा गया है और आवश्यक

दस्तावेज जमा करने के लिए एक महीने का समय दिया गया है। एक बार दस्तावेज होने के बाद, उनके कर बकाया की गणना की जाएगी और विवरण उनके साथ साझा किया जाएगा। ।₹अधिकारियों ने कहा कि अनुपालन में विफलता के कारण डीएमसी को संबंधित कार्यालयों को सील करना पड़ सकता है। पनौली ने कहा, ₹ज्यादातर मामलों में विभाग अनुपालन करते हैं, लेकिन ऐसा करने में विफलता के कारण सीलिंग हो सकती है, विशेष रूप से एक राज्य विभाग की इमारत और फिर मामला अदालत में चला जाता है।₹ कुल कर राशि का अभी पता नहीं है लेकिन अधिकारियों को आशंका है कि यह आंकड़ा करोड़ों तक जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जहां लोग अपना कर जमा कर रहे हैं, वहीं सरकारी विभाग ऐसा करने में विफल हो रहे हैं। इससे नगर निकाय पर बोझ बढ़ता जा रहा है।

ट्रेकिंग के खतरों से बचने के लिए अधिक सतर्क और सुरक्षित रहना होगा : सतपाल महाराज

पर्यटन मंत्री ने पिंडारी ग्लेशियर और बागची बुग्याल के लिए दल को किया रवाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 19 अक्टूबर। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) की ओर से बागेश्वर जिले के पिंडारी ग्लेशियर ट्रैक और चमोली जिले में बागची बुग्याल ट्रैक को ट्रैक ऑफ द ईयर घोषित किया गया है। यूटीडीबी से पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने दोनों ट्रैक के लिए ट्रेकिंग दल को रवाना किया। टूर ऑपरेटरों को विभाग की ओर से प्रत्येक ट्रेकर को ट्रैक पर किए जाने वाले कुल खर्चे पर 2 हजार रुपये की सब्सिडी भी दी जाएगी।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बागेश्वर व चमोली से आए एडवेंचर फाउंडेशन के प्रशिक्षणार्थियों को ट्रैक के शुभारंभ के मौके पर बधाई देते हुए कहा कि विंटर ट्रेकिंग डेस्टिनेशन और शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिय कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अलावा इस ट्रैक के माध्यम से विंटर ट्रैकिंग डेस्टिनेशन को केदारकांठा की भांति प्रचारित एवं प्रसारित करना है। साथ ही ट्रैकिंग को बढ़ावा दिए जाने के लिए विभाग द्वारा ट्रैकिंग गाईड ट्रेनिंग भी प्रदान की जा रही है। वहीं इस मौके पर पर्यटन मंत्री महाराज ने उत्तरकाशी के हर्षिल-छितकुल ट्रैक पर ट्रैकिंग दल के साथ हुए हादसे पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह के खतरों से बचने के लिए हमें और अधिक सतर्क और सुरक्षित रहना होगा। इस दौरान पर्यटन मंत्री ने माह सितम्बर 2022 में यूटीडीबी द्वारा आयोजित बलजूरी (5922 मी0) पर्वतारोहण अभियान दल का भी स्वागत व प्रमाण पत्र देकर स्वागत किया। इस मौके पर अपर सचिव पर्यटन सी. रविशंकर, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी (साहसिक विंग) कर्नल अश्विनी पुण्डीर, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी अवस्थापना पूजा गर्ब्याल, निदेशक प्रचार व विपणन सुमित पन्त, निदेशक अवस्थापना ले. कमांडर दीपक खंडूरी, अपर निदेशक पूनम चंद, उपनिदेशक योगेंद्र गंगवार, वरिष्ठ शोध अधिकारी एस.एस. सामन्त समेत विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

यह रहेगा ट्रेक का रूट

पिंडारी ग्लेशियर के ट्रेक की शुरूआत कुमाऊं के काठगोदाम से होगी, जो खाती, दव्याली, फुर्किए, जीरो प्वाइंट, खाती के बाद खरकिया से होते हुए काठगोदाम में संपन्न होगा। जबकि बागची बुग्याल के ट्रेक की शुरूआत देहरादून के ऋषिकेश से होगी, जो घेश, देवलीखेत से होते हुए बागची बुग्याल के बेस कैंप पहुंचेंगे। जहां से ट्रेकर्स धुलंब होते हुए बागची के टॉप हिमनी पहुंचेंगे।

उत्तराखंड और नेपाल के बीच शुरू होगी हवाई सेवा : महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 19 अक्टूबर। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि जल्द ही उत्तराखंड और नेपाल के बीच बुद्धा एयरलाइंस की हवाई सेवा शुरू की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा के संबंध में पर्यटन मंत्री महाराज ने नेपाल के निदेशक, शोध, योजना और निगरानी नेपाल पर्यटन परिषद के मणि आर लिमिछाने, से फोन पर वार्ता कर इसके लिए उत्तराखण्ड की ओर पूरा सहयोग देने की बात कही। उन्होने बताया कि इस संबंध प्रदेश की मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी अपनी सहमति व्यक्त की है।

पर्यटन मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच नेपाल की बुद्धा एयरलाइंस सेवा शुरू होने से नेपाल और उत्तराखण्ड की जनता को इसका लाभ मिलने के साथ साथ दोनों देशों के बीच पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा उन्होने कहा कि 22 नवम्बर को उत्तराखंड से श्रीराम बारात नेपाल के जनकपुर जाएगी। बारात देवप्रयाग के रघुनाथ मंदिर से शुरू होगी और लखनऊ होते हुए एक 28 नवम्बर को जनकपुरी पहुंचेगी।

रिसॉट और हट से देख सकेंगे स्टार गेजिंग : उत्तराखंड आने वाले देश-विदेश के पर्यटक जल्द ही यहां के रिसॉट और हट से स्टार गेजिंग देख सकेंगे। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि प्रदेश में एस्ट्रो टूरिज्म की अपार संभावना को देखते हुए प्रदेश के रिसॉट और हट में स्टार गेजिंग की व्यवस्था की जाएगी।

टीबी से ग्रसित जोया के ऊपर प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार का हाथ

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 19 अक्टूबर। प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार द्वारा टीबी मुक्त भारत के निक्षय मित्र अभियान के अंतर्गत निक्षय मित्र बनते हुए देहरादून जनपद की गोद ली गई टीबी से ग्रसित जोया को व्यक्तिगत खाते से टीबी एसोसिएशन, उत्तराखंड के माध्यम से पूरे एक वर्ष के लिए 12 हजार रुपये की पोषण धनराशि निर्गत करते हुए अन्य अधिकारी, समाजसेवी, कॉरपोरेट्स व सक्षम वर्ग के लिए एक मिसाल पेश की है।टीबी एसोसिएशन संस्था जिसके संरक्षक उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल महोदय हैं, विगत कई दशकों से टीबी रोगियों के बेहतरी के लिए कार्य कर रही है। मंगलवार को प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रभारी सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार सात साल की टीबी रोगी जोया के निक्षय मित्र बनने की घोषणा करते हुए मासिक पोषण किट वितरित की थी। प्रभारी सचिव महोदय द्वारा अन्य विभागीय सचिव, उनके अधीनस्थ अधिकारियों, विभिन्न कॉरपोरेट्स, निजी संस्थानों व अन्य से निक्षय मित्र योजना में यशासंभव सहयोग प्रदान करने हेतु अपील की, जिससे प्रदेश के प्रत्येक टीबी रोगी को आर्थिक, सामाजिक व भावनात्मक सहयोग मिल सके और वह टीबी मुक्त होकर, अपने परिवार व देश के विकास में भागीदारी सुनिश्चित कर सके ।

चिल्ड्रेन होम एकेडमी : उत्तराखंड HC ने पूर्व छात्र की जमानत याचिका रद्द की

उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की एकल पीठ ने सोमवार को शुभंकर की जमानत याचिका खारिज कर दी, जिसने 10 मार्च, 2019 को अपने जूनियर सहपाठी वासु यादव की कथित तौर पर पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। वारदात के वक्त करीब 19 साल के शुभंकर देहरादून के रानीपोखरी इलाके में चिल्ड्रन होम एकेडमी में बारहवीं कक्षा में पढ़ते था।शुभंकर और उसके सहपाठी लक्ष्मण ने सातवीं कक्षा के छात्र वासु को एक दुकान से बिस्किट का पैकेट लेने के एक छोटे से मुद्दे पर पीटा था, जब अन्य छात्र रविवार की प्रार्थना के लिए बाहर थे। मृतक छात्र के पिता झपटू यादव ने छात्रावास के वार्डन प्रवीण कुमार, प्रबंधक कालेव और खेल शिक्षक अजय कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी. बाद में शुभंकर और लक्ष्मण का नाम प्राथमिकी में तब जोड़ा गया जब पुलिस को उनकी संलिप्तता का पता चला।प्राथमिकी में पिता ने कहा कि कालेव ने उन्हें फोन पर बताया था कि उनका बेटा वासु गंभीर रूप से बीमार है। इसके बाद वह स्कूल पहुंचे लेकिन वहां कोई स्टाफ नहीं मिला। बाद में वह अपने बेटे के शव को खोजने के लिए अस्पताल गए। जब वह वापस स्कूल आया तो कालेव और प्रवीण ने उसे बताया कि उसके बेटे की मौत खाना खाने के बाद दम घुटने से हुई है। हालांकि, पोस्टमार्टम के बाद यह पता चला कि वासु की मौत ₹हमलों₹ के कारण हुई थी।इसके बाद आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 201 (अपराध के सबूतों को गायब करना या अपराधी को कवर करने के लिए झूठी जानकारी देना) के तहत दंडनीय अपराधों के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई थी। आरोपी के वकील ने तर्क दिया कि ₹सभी गवाहों ने बयान दर्ज किए हैं और सबूतों के साथ छेड़छाड़ की कोई संभावना नहीं है₹। इसलिए उनके मुवक्किल को जमानत दी जा सकती है। प्रति विपरीत, राज्य के वकील ने जमानत का विरोध किया। जस्टिस खुल्बे ने कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार, शव पर 17 एंटी-मॉर्टम चोटें पाई गईं, जिससे पता चलता है कि आरोपी ने उसे बेरहमी से और बेरहमी से पीटा।

खराब पोस्चर के कारण हो सकता है आपके सिरदर्द और गर्दन में दर्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जैसा कि यह पता चला है, जब भी आपकी माँ ने आपसे कहा था कि ₹सीधे खड़े हो जाओ₹ या ₹झुकाओ मत,₹ वह गर्दन में दर्द नहीं कर रही थी या आपको सिरदर्द नहीं दे रही थी, यह वास्तव में आपकी खराब मुद्रा थी। खराब मुद्रा हमारे कई सिरदर्द और गर्दन के दर्द का कारण है क्योंकि झुकने से गर्दन की मांसपेशियों और सिर पर दबाव बनता है। आगे की ओर सिर की मुद्रा आज एक आम समस्या है। इस बात पर विचार करें कि प्रत्येक इंच के लिए आपकी गर्दन उस तटस्थ स्थिति पर आगे झुकती है जिसे आप अतिरिक्त 10 एलबीएस बना रहे हैं। आपकी गर्दन पर वजन का।

समय के साथ, खराब मुद्रा हमारे स्वास्थ्य और भलाई को नुकसान पहुंचा सकती है। अच्छी मुद्रा का अभ्यास करने के लिए यहां सबसे ठोस कारण हैं।

1. खराब मुद्रा से पीठ या गर्दन में चोट लग सकती है

जब गलत आसन बार-बार होता है, तो यह मांसपेशियों, नसों, संयोजी ऊतकों, जोड़ों या रीढ़ की हड्डी को प्रभावित कर सकता है। आपके पक्ष में गति के लिए जिम्मेदार मांसपेशियां मजबूत होती जाती हैं और जिस तरफ आप कम उपयोग करते हैं, उसकी मांसपेशियां लंबी और कमजोर हो जाती हैं। यह मांसपेशियों में असंतुलन पैदा करता है। मांसपेशियों या ताकत का असंतुलन चोट का एक प्रमुख कारण है।चोट लगने पर भी चोट लग सकती है जब आप सक्रिय हो जाते हैं और आपका शरीर असंतुलन की भरपाई करने की कोशिश करता है, अक्सर संयुक्त अस्थिरता या गलत संरेखण पैदा करता है।

2. गलत पोस्चर के कारण होता है कमर दर्द

खराब मुद्रा के कारण होने वाला पीठ दर्द हो सकता है:

दर्द जो दिन के बढ़ने के साथ-साथ बढ़ता जाता है या दिन के विशेष समय में बदतर होता जाता हैदर्द जो आपकी गर्दन से नीचे आपके ऊपरी और यहां तक कि आपकी पीठ

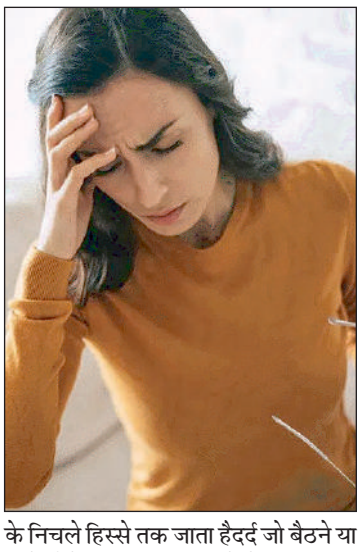

के निचले हिस्से तक जाता हैदर्द जो बैठने या खड़े होने पर स्थिति बदलने के बाद राहत देता है

3. आसन असामान्यताएं तनाव सिरदर्द का कारण बन सकती हैं

हम में से आठ लोग आपके माथे के क्षेत्र में सुस्ती, जकड़न और दबाव या गर्दन और सिर के पिछले हिस्से में अकड़न या निचोड़ने के लक्षणों को जानते हैं। कभी-कभी ₹तनाव सिरदर्द₹ कहा जाता है, वे सभी वयस्कों में बहुत आम हैं लेकिन सौभाग्य से रोके जा सकते हैं। सही मुद्रा एक उपाय हो सकता है जो इन प्रकरणों की आवृत्ति या गंभीरता को कम करने में उपयोगी है।

4. गर्दन में पिंच नसें

लंबे समय तक अजीब मुद्रा के कारण गर्दन में दर्द का एक और लक्षण एक चुटकी तंत्रिका है। कई लोगों द्वारा जलन, सियरिंग, झुनझुनी या सुन्न के रूप में वर्णित, एक चुटकी तंत्रिका तब होती है जब खोपड़ी और ग्रीवा कशेरुकाओं से एक चुटकी गति तंत्रिका अंत में समृद्ध ऊतकों को फंसाती है। यह स्थानीय नसों को संकुचित करने वाली हर्नियेटेड सर्वाइकल डिस्क का परिणाम भी हो सकता है।5. खराब मुद्रा गठिया को खराब कर सकती हैखराब मुद्रा और पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के साथ, यह अक्सर खराब मुद्रा के संबंध में ₹चिकन या अंडा₹ प्रकार का प्रश्न होता है। अधिक बार, झुकी हुई मुद्रा रोग प्रक्रिया और समय के साथ रीढ़ पर इसके प्रभाव का एक अंतिम परिणाम है। जबकि यह भी सच है कि बीमारी की शुरुआत में खराब मुद्रा इस प्रकार के गठिया में योगदान कर सकती है।

मुद्रा में सुधार और दर्द कम करने के लिए युक्तियाँ

क्या आप उपकरणों का उपयोग करते समय अपने कंधों को घंटों तक झुकाते हैं, अपर्याप्त समर्थन वाली कुर्सी का उपयोग करते हैं, या बहुत नीचे स्थित कंप्यूटर मॉनीटर का उपयोग करते हैं? यदि ऐसा है और आप बार-बार सिरदर्द और गर्दन में दर्द से पीड़ित हैं, तो अनुचित मुद्रा को ठीक करने के लिए इन सरल परिवर्तनों को आजमाएं।

सुनिश्चित करें कि आपका कंप्यूटर मॉनिटर एर्ग है

किसी भी आकार के आभासी आयोजनों को शक्ति प्रदान करने के लिए भारत में जूम इवेंट लॉन्च किए गए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जूम, इसके बारे में तो आपने सुना ही होगा लॉक डाउन के समय ये एप्प बहुत चर्चा में थी। बच्चो की पढाई से लेकर ऑफिस की मीटिंग तक सब लोगो को इसी एप्प का इस्तेरमाल करना पड़ता था। अब आपको बता दे जूम ने भारत में कंपनी के वर्चुअल इवेंट अनुभव उत्पाद, जूम इवेंट्स की उपलब्धता की घोषणा की। जूम इवेंट्स जूम वेबिनार, जूम मीटिंग्स और टीम चैट की सुविधाओं को एक समाधान में जोड़ता है जिसका उद्देश्य इवेंट आयोजकों के लिए किसी भी आकार के दर्शकों के लिए लाइव इवेंट आयोजित करना है।जूम के अनुसार, 7,000 से अधिक ग्राहकों ने जूम इवेंट्स का उपयोग 2021 में शुरू होने के बाद से किया है, जिसमें औसतन प्रतिदिन लगभग 150 इवेंट आयोजित किए जाते हैं। कंपनी का वार्षिक सम्मेलन, जूम इवेंट्स पर जूमटोपिया और दुनिया भर में 30,000 से अधिक आभासी उपस्थितियां।जूम इवेंट्स का इस्तेमाल कई तरह के इवेंट्स को होस्ट करने के लिए किया जा सकता है, जिसमें सिंगल-सेशन इवेंट्स, मल्टी-डे इवेंट्स, मल्टी-ट्रैक इवेंट्स और समवर्ती सत्र शामिल हैं। इसमें सहभागी भागीदारी में मदद करने के लिए ₹एक्सपो फ्लोर₹ जैसी इंटरैक्टिव विशेषताएं हैं। यह आयोजकों के लिए

घटनाओं के बाद सामग्री का प्रबंधन करना और उन्हें ऑन-डिमांड देखने के लिए उपलब्ध कराना भी आसान बनाता है। सहभागी जुड़ाव को ट्रैक करने में मदद करने के लिए प्लेटफ़ॉर्म में एनालिटिक्स और रिपोर्टिंग टूल भी हैं।इस साल की शुरुआत में, जूम ने छात्रों और शिक्षकों के उद्देश्य से कई नई सुविधाओं की घोषणा की थी। सुविधाओं में ब्रेकआउट रूम फीचर में नए एन्हांसमेंट शामिल हैं और वर्चुअल बैकग्राउंड और क्रोमबुक पर ब्लर के लिए अतिरिक्त समर्थन शामिल है।

केदारनाथ में अशांत आसमान में कई मौतें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मंगलवार को केदारनाथ मार्ग पर सात लोगों की मौत हो जाने वाली हेलीकॉप्टर दुर्घटना एक और घातक दुर्घटना के नौ साल बाद आई है - 2013 में भारतीय वायु सेना (IAF) MI-17 - उसी क्षेत्र में 20 की मौत हो गई। 2013 के केदारनाथ बाढ़ के बाद बचाव कार्यों के दौरान, एक महीने के भीतर दो हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गए थे।उस वर्ष 25 जून को, घातक जलप्रलय के बाद बचाव अभियान में लगा एक IAF Mi-17 हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें IAF, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के कर्मियों सहित 20 लोग मारे गए। घटना मंगलवार को दुर्घटनास्थल से 10 किमी से भी कम दूरी पर गौरीकुंड के पास हुई।भारतीय वायुसेना का हेलिकॉप्टर गौचर से गुप्तकाशी जा रहा था, तभी गौरीकुंड के उत्तर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उसी साल 24 जुलाई को, केदारनाथ से उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद बचाव में लगे एक निजी हेलीकॉप्टर की दुर्घटना हो गई, जिसमें 49 वर्षीय पायलट जगजीत सिंह धालीवाल और 42 वर्षीय सह-पायलट अभय रंजन की मौत हो गई। विशेषज्ञों ने बाद में कोहरे की स्थिति और शून्य को जिम्मेदार ठहराया। -दुर्घटना के लिए दृश्यता।वर्षों बाद, 23 सितंबर, 2019 को, एक निजी हेलीकॉप्टर में सवार छह तीर्थयात्री बाल-बाल बच गए, जब टेक-ऑफ के तुरंत बाद केदारनाथ हेलीपैड पर आपातकालीन लैंडिंग करते समय हेलीकॉप्टर का पिछला सिरा किसी वस्तु से टकरा गया (जमीन के साथ एक समान ब्रश) मंगलवार की दुर्घटना का कारण बना)। इस साल मई में 'थंबी एविएशन' के एक हेलीकॉप्टर के केदारनाथ में हार्ड लैंडिंग होने से एक बड़ा हादसा टल गया था।बेल -407 हेलीकॉप्टर कई बार उछला और केदारनाथ मंदिर के पास एक हेलीपैड पर सुरक्षित उतरने से पहले लगभग 270 डिग्री मुड़ गया। नागरिक उड्डयन महानिदेशक (डीजीसीए) ने घटना की जांच के आदेश दिए थे। विशेषज्ञों ने पायलटों से कहा था कि जब भी टेल विंड हों, खासकर लैंडिंग के लिए जाते समय सावधानी बरतें।

सावधान : 5 घंटे से कम सोना हो सकता है खतरनाक

उम्र 50 साल से ज्यादा है तो गंभीर बीमारियां होंगी, मौत का खतरा 25% तक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 अक्टूबर। अगर आपकी उम्र 50 साल से ज्यादा है, तो हर रात 5 घंटे या उससे कम समय की नींद आपके लिए खतरनाक हो सकती है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक आपको कम से कम दो गंभीर बीमारियों का जोखिम हो सकता है। यह दावा प्लोस मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित एक नई रिसर्च में किया गया है।

25 साल चली रिसर्च

शोध में ब्रिटेन के 8 हजार सरकारी कर्मचारियों को शामिल किया गया। इन्हें 50 साल की उम्र तक कोई क्रोनिक यानी लंबे समय तक चलने वाली बीमारी नहीं थी। वैज्ञानिकों ने इन्हें हर 4 से 5 साल में अगले 25 सालों के लिए अपनी नींद और स्वास्थ्य की जानकारी देने को कहा। जिन लोगों की नींद को 50 की उम्र में ट्रैक किया गया, उन्हें 5 घंटे या उससे कम सोने पर क्रोनिक बीमारियों का खतरा 30% था। इनकी तुलना रात में 7 घंटे सोने वाले लोगों से की गई थी। वहीं, 60 साल में यह जोखिम 32% और 70 साल में 40% तक बढ़ गया। पर्याप्त नींद न लेने से मौत का खतरा भी 25% पाया गया।

कम नींद से इन बीमारियों का खतरा

रिसर्च के मुताबिक रात में 5 घंटे से कम

सोने वाले लोगों को डायबिटीज, कई प्रकार के कैंसर, दिल की बीमारी, हार्ट स्ट्रोक, हार्ट फेलियर, फेफड़ों से जुड़ी बीमारी, किडनी की बीमारी, लिवर की बीमारी, डिप्रेशन, भूलने की बीमारी, पार्किंसंस डिसीज, अर्थराइटिस और कई मानसिक विकार होने का खतरा होता है।

अमीर देशों में बढ़ रही समस्या

शोध की प्रमुख लेखिका और यूसीएल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी में रिसर्च एसोसिएट डॉ. सेवरिन सेबिया कहती हैं- एक साथ कई गंभीर बीमारियां होने का ट्रेंड हाई इनकम देशों में बढ़ता दिखाई दे रहा है। यहां आधे से ज्यादा बूढ़े लोगों को कम से कम दो क्रोनिक बीमारियां हैं। यह स्वास्थ्य सेवाओं, अस्पतालों और पूरे हेल्थ सिस्टम के लिए बड़ी चुनौती है। डॉ. सेबिया के मुताबिक हर रात 7 से 8 घंटे की नींद लेना जरूरी है। इससे कम या ज्यादा नींद आपकी सेहत के लिए हानिकारक है। अच्छे से सोने के लिए कमरे में अंधेरा, शांति और सही तापमान होना चाहिए। सोने से पहले कुछ भारी न खाएं और सारे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस खुद से दूर रखें।

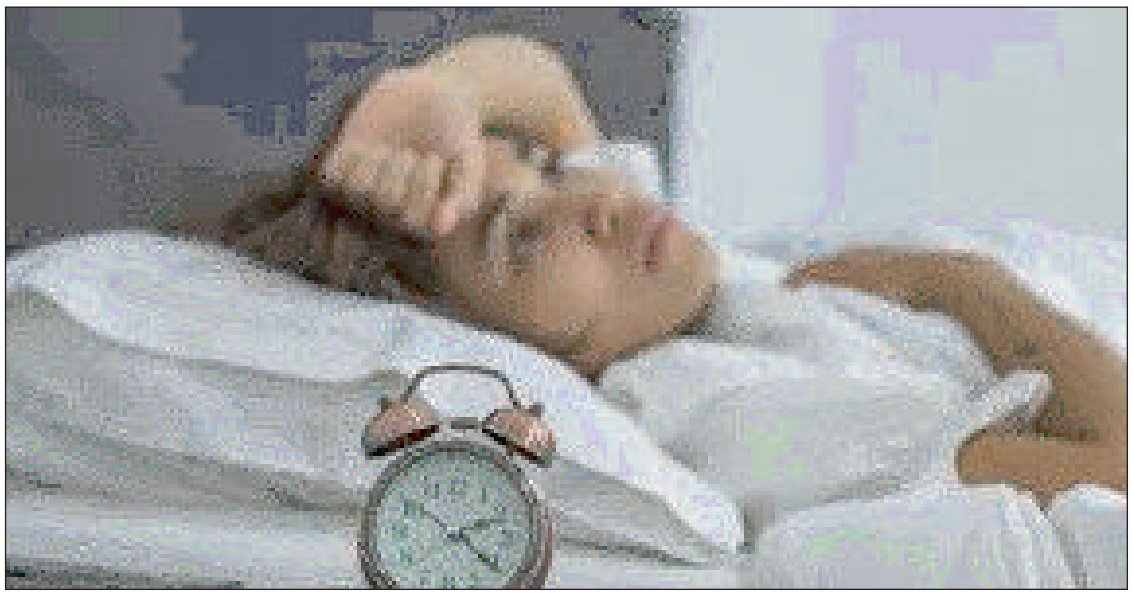

पल्टन बाजार की सड़क सुधरी व्यापारी संगठनों ने डीएम सोनिका को कहा 'थैंक्यू'

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 19 अक्टूबर। देहरादून के पल्टन बाजार के व्यापारी संगठन के प्रतिनिधियों द्वारा पल्टन बाजार में दीपावली से पूर्व सड़क निर्माण कार्य कराने हेतु जिलाधिकारी सोनिका से उनके शिविर कार्यालय में भेंट कर आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी/मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्मार्ट सिटी लि0 सोनिका द्वारा स्मार्ट सिटी परियोजना लि0 के अन्तर्गत शहर में संचालित निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा आम जन की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए व्यवस्थित एवं समयबद्धता से कार्य पूर्ण करने के निर्देश कार्यदायी संस्थाओं को दिए गए है।

जिलाधिकारी द्वारा पल्टन बाजार क्षेत्रान्तर्गत समय-समय पर किए गए भ्रमण के दौरान पल्टन बाजार में संचालित कार्यों में तेजी लाते हुए दीपावली से पूर्व सड़क को ठीक करने के निर्देश दिए गए। दीपावली से पूर्व पल्टन बाजार की सड़कों को ठीक किए जाने पर व्यापारी संगठनों द्वारा जिलाधिकारी से मिलकर उनका आभार व्यक्त किया। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया है जनपद में निर्माण कार्यों से जनमानस को किसी प्रकार की कोई समस्या न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए तथा सार्वजनिक स्थान व सड़कों पर निर्माण सामग्री न रखी जाए साथ ही निर्माणधीन साइटों पर सामग्री व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

संपादकीय

हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई बड़ा कदम

एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में होना सिर्फ किसी भाषा की उन्नति नहीं है, समाज के विकसित होने का लक्षण है और सौभाग्य की बात है कि यह आजादी के अमृत महोत्सव में अंग्रेजी से स्वतंत्रता का एक लक्षण है. अभी भी यह पूर्ण स्वतंत्रता नहीं है, क्योंकि आज भी अंग्रेजी और अंग्रेजीयत की गुलामी की जड़ें गहरी हैं. मध्य प्रदेश में यह कार्य पिछले 7-8 वर्ष से चल रहा था. अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना इसी उद्देश्य से हुई थी कि उसमें सभी क्षेत्रों की पढ़ाई का माध्यम हिंदी हो, परंतु कुलपति के बदलने के बाद वह कार्य लगभग रुक गया. फिर हमने तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा से भी बात की थी. उन्होंने भोपाल और कुरुक्षेत्र में मेडिकल कॉलेज के लिए 400 करोड़ रुपया देने की बात भी कही. बाद में वे भी स्वास्थ्य मंत्री नहीं रहे. जब नयी शिक्षा नीति के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में करने की बात कही, तब मध्य प्रदेश में यह बात जल्दी स्वीकार हो गयी. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने इसे महत्वपूर्ण मिशन बनाया तथा एक बड़ी टीम के साथ स्थापित पुस्तकों का उनके प्रकाशकों से अनुमति लेकर अनुवाद का काम शुरू हुआ एवं प्रथम वर्ष में पढ़ाई जाने वाली एनाटॉमी, फिजियोलॉजी और बायोकेमिस्ट्री की पुस्तकों का प्रकाशन हुआ. इनका विमोचन 16 अक्तूबर को देश के गृह मंत्री अमित शाह ने किया. धीरे-धीरे यह कारवां आगे बढ़ेगा, ऐसी आशा है. उस कार्यक्रम का साक्षी बनना मेरे लिए सौभाग्य की बात है. अनेक लोगों, जिनमें पढ़े-लिखे चिकित्सक भी हैं, को लगता है कि हिंदी माध्यम से कहीं चिकित्सा शिक्षा का स्तर नीचे नहीं चला जाए. आखिर कैसे यूरोप के 10 देश अपनी भाषाओं में एमबीबीएस करा रहे हैं, क्या जर्मनी और फ्रांस किसी भी क्षेत्र में पीछे हैं? मेरा भाषा के प्रति प्रेम 36 वर्ष पुरानी एक घटना से संबंधित है. तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल पटियाला में एक दीक्षांत समारोह में गये, जहां उन्हें अंग्रेजी में लिखा भाषण दिया गया. उन्होंने पंजाबी और हिंदी में भाषण दिया. तब जनसत्ता के तत्कालीन संपादक प्रभाष जोशी ने एक संपादकीय में लिखा कि इंजीनियरिंग में लोगों ने हिंदी में काम कर लिया, फिजिक्स में कर लिया और अनेक क्षेत्रों में हिंदी आ गयी, पर मेडिकल क्षेत्र में अभी तक ऐसा करने की खबर किसी ने नहीं दिखायी है. तब मुझे एमडी का शोध ग्रंथ लिखना था. मुझे लगा कि यह काम मुझे करना चाहिए और मैंने इसे हिंदी में लिखा. मैंने दो बार आइआइटी की प्रवेश परीक्षा को हिंदी और भारतीय भाषाओं में करने के लिए राजीव गांधी सरकार के समय में आमरण अनशन किया था. पहली बार डेढ़ दिन के अंदर तत्कालीन शिक्षा सचिव अनिल बोर्डिया ने इस मांग को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर लिया. उस अनशन का नेतृत्व आइआइटी दिल्ली में एमटेक का शोध प्रबंध हिंदी माध्यम में लिखने वाले श्याम रुद्र पाठक कर रहे थे.

Medical Alert : पैर पर पैर चढ़ाकर बैठने वालों सावधान - आदत पड़ेगी सेहत पर भारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 19 अक्टूबर । अगर आप भी कुछ इसी तरह बैठने के आदि है तो इस खबर को पूरा पढ़िए और अलर्ट हो जाइये क्योंकि बॉडी लैंग्वेज और स्टाइलिंग के लिए क्रॉस लेग करके बैठना कॉन्फिडेंस होने का सिंबल भले ही माना जाता हो लेकिन इसके नुक्सान कहीं ज्यादा है। मेडिकल विशेषज्ञ बताते हैं कि इस पॉश्चर में बैठने से बॉडी को भारी नुकसान हो सकता है। लंबे समय तक एक के ऊपर एक पैर रखकर बैठने से ब्लड प्रेशर और वैरिकोज वेन्स जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई हेल्थ स्टडीज में भी यह बात सामने आ चुकी है कि एक के ऊपर एक पैर रखकर बैठने से हमारी नर्व्स पर दबाव पड़ता है, जिससे बीपी बढ़ता है।ब्लड प्रेशर के मरीजों को इस पोजीशन में बैठने से बचना चाहिए। जिन लोगों को बीपी की दिक्कत नहीं है, उन्हें भी लंबे समय तक इस पोजीशन में नहीं बैठना चाहिए। क्रॉस लेग करके बैठने से सिर्फ ब्लड प्रेशर पर ही असर नहीं पड़ता, बल्कि ब्लड सर्कुलेशन भी डिस्टर्ब होता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि तो दोनों पैरों में ब्लड सर्कुलेशन एक समान नहीं हो पाता। इस कारण पैर सुन्न होने या झनझनाहट की समस्या होने लगती है।ऑर्थोपेडिक सर्जन कहते हैं कि एक ही जगह पर कई घंटे रोज क्रॉस लेग करके

बैठने से पैरों के ज्वाइंट पेन की समस्या हो सकती है। कई बार हम समझ नहीं पाते कि वॉक, एक्सरसाइज और योग करने के बाद भी हमारे ज्वाइंट्स में दर्द क्यों रहता है। इस दर्द की वजह कुछ और नहीं बल्कि हमारा क्रॉस लेग पोस्चर होता है।पैरों को क्रॉस करके बैठने की आदत है तो सावधान हो जाएं। इस तरह बैठने की आदत सेहत के लिए हानिकारक है। बैठने का यह स्टाइल बीमारियों को दावत देता है इसलिए बैठते समय इस बात का जरूर ध्यान रखें। हेल्दी रहने के लिए समय-समय पर बैठने का पॉश्चर बदलते रहें।

पैरों को क्रॉस करके बैठने से होने वाली बीमारियां...

ब्लड प्रेशर का बढ़ना

डॉ. अवस्थी कहते हैं कि पैरों को क्रॉस करके बैठने से ब्लड प्रेशर काफी हद तक बढ़ जाता है। इसलिए डॉक्टर ब्लड प्रेशर के शिकार लोगों के साथ ऐसे लोगों को भी इस पोस्चर में बैठने से बचने की हिदायत देते हैं जिन्हें ब्लड प्रेशर की परेशानी नहीं है।

हार्ट पर असर

जब आप पैरों के क्रॉस करके बैठते है तो पैरों की नर्व्स दब जाती है। ऐसे में ब्लड का सर्कुलेशन पैरों की तरफ न जाकर हार्ट की ओर वापस आने लगता है, जो हार्ट के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

नर्व पैरालिसिस का खतरा

लंबे वक्त तक पैरों को क्रॉस करके बैठते हो तो इससे पैरों की नसों को नुकसान पहुंच सकता है। क्योंकि ऐसे बैठने पर पैरों की नसों पर प्रेशर बढ़ जाता है जिस वजह से नसों के डेमेज होने का खतरा रहता है। इतना ही नहीं बल्कि इस पोस्चर में बैठने से व्यक्ति पेरोनोल नर्व पैरालिसिस का शिकार भी हो सकता है।

ब्लड सर्कुलेशन

टांग पर टांग चढ़ाकर बैठने की वजह से दिल में ज्यादा ब्लड पहुंचता है। क्योंकि जब आप पैरों को क्रॉस करके बैठते हैं तो ब्लड ऊपर से नीचे की तरफ आना बंद कर देता है और हार्ट उल्टा पंप करना शुरु कर देता है। जिस वजह से बॉडी में ब्लड सर्क्यूलेशन बिगड़ जाता है।

भारत में इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता को अब मूल आईडी या वीडियो सेल्फी का उपयोग करके सत्यापित करने की आवश्यकता होगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रोफाइल बनाने के लिए बच्चे फर्जी जन्मतिथि का उपयोग कर रहे हैं, इस बढ़ती चिंताओं के बीच इंस्टाग्राम ने भारत में उपयोगकर्ताओं के लिए एक मूल आईडी या वीडियो सेल्फी के माध्यम से अपनी उम्र सत्यापित करने के लिए अपना नया परीक्षण लाया है।अगर कोई भारत में 18 से 18 साल या उससे अधिक उम्र के इंस्टाग्राम पर अपनी जन्मतिथि संपादित करने का प्रयास करता है, तो कंपनी को अब उन्हें दो विकल्पों में से एक का उपयोग करके अपनी आयु सत्यापित करने की आवश्यकता होगीः अपनी आईडी अपलोड करें या एक वीडियो सेल्फी रिकॉर्ड करें .कंपनी ने कहा, ₹हम इसका परीक्षण कर रहे हैं ताकि हम यह सुनिश्चित कर सकें कि किशोर और वयस्क अपने आयु वर्ग के लिए सही अनुभव में हैं। इस साल जून में अमेरिका में परीक्षण शुरू हुआ, और अब यह भारत और ब्राजील में फैल रहा है।₹ कंपनी की योजना इस साल के अंत से पहले यूके और यूरोपीय संघ में परीक्षण का विस्तार करने की है।इंस्टाग्राम ने कहा, ₹हम कुछ सुधार करने के लिए परीक्षण से उम्र सत्यापित करने के विकल्प के रूप में सोशल वाउचिंग को भी हटा रहे हैं।₹सोशल

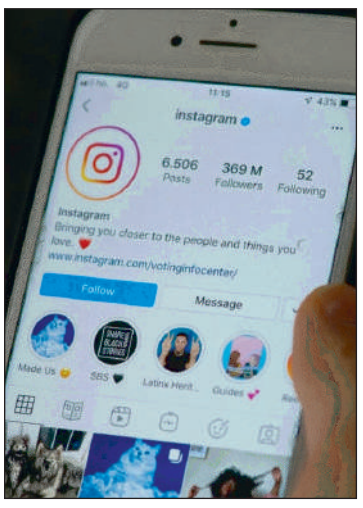

वाउचिंग विकल्प ने उपयोगकर्ताओं को आपसी अनुयायियों से यह पुष्टि करने के लिए कहा कि वे कितने साल के थे। जिन तीन लोगों को उन्होंने प्रमाणित करने के लिए चुना था, उन्हें अपनी उम्र की पुष्टि करने का अनुरोध प्राप्त हुआ और उन्हें 3 दिनों के भीतर जवाब देने की आवश्यकता थी। अब, परीक्षण के वे भाग भारत में अपनी आयु सत्यापित करने के लिए एक वीडियो सेल्फी अपलोड करना चुन सकते हैं।₹यदि आप इस विकल्प को चुनते हैं, तो आपको मार्गदर्शन करने के लिए आपकी स्क्रीन पर निर्देश दिखाई देंगे। आपके द्वारा एक वीडियो सेल्फी लेने के बाद, हम छवि को Yoti के साथ साझा करते हैं, और कुछ नहीं। Yoti की तकनीक आपके चेहरे की विशेषताओं के आधार पर आपकी उम्र का अनुमान लगाती है और साझा करती है कि हमारे साथ अनुमान लगाएं,₹ इंस्टाग्राम के अनुसार।Yoti एक कंपनी है जो उम्र को सत्यापित करने के लिए गोपनीयता-संरक्षण के तरीके प्रदान करती है। ₹मेटा और योति फिर छवि को हटा दें। तकनीक आपकी पहचान को नहीं पहचान सकती - केवल आपकी उम्र,₹ यह जोड़ा गया कंपनी को Instagram के लिए साइन अप करने के लिए लोगों की आयु कम से कम 13 वर्ष होनी चाहिए।इस हफ्ते की शुरुआत में, यूके के मीडिया वॉचडॉग ऑफकॉम ने कहा कि 8 से 17 साल के बीच के एक तिहाई से अधिक बच्चे नकली जन्मतिथि के साथ साइन अप करने के बाद विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं।ऑफकॉम ने एक बयान में कहा, ₹हमारे नवीनतम शोध से पता चलता है कि आठ से 17 वर्ष की आयु के अधिकांश (77%) सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं का अपना खाता या प्रोफ़ाइल कम से कम एक बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर है।

रैतिक परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल हुई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 अक्टूबर , शहीद दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली रैतिक परेड कि पुलिस महानिदेशक उत्तराखंड की उपस्थिति में फुल ड्रेस रिहर्सल करवाई गई। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान पुलिस महानिदेशक, उत्तराखंड महोदय द्वारा रैतिक परेड का निरीक्षण किया गया तथा निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दूर करने के लिए उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत किए गए। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान अपर पुलिस महानिदेशक, पी0ए0सी0 व अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

राज्य में सभी टीबी मरीजों को लिया जायेगा गोद : डॉ0 धन सिंह रावत

नि-क्षय मित्र पंजीकरण में लगातार दूसरे पायदान पर उत्तराखंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 20 अक्टूबर। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नि-क्षय मित्र पंजीकरण में उत्तराखंड देशभर में दूसरे स्थान पर है। राज्य में अबतक 5221 नि-क्षय मित्रों द्वारा पंजीकरण किया गया है स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन सभी नि-क्षय मित्रों को स्थानीय स्तर पर तपेदिक रोगी उपलब्ध करा दिये गये हैं। सूबे में शत-प्रतिशत टीबी रोगियों को गोद लिया जायेगा। जिसके लिये विभिन्न संस्थाओं, विभागों के साथ-साथ सामुदायिक सहयोग लिया जायेगा।

प्रदेश में अबतक 5221 नि-क्षय मित्रों ने किया पंजीकरण

चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान जोर-शोर से चल रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के बाद उत्तराखंड देश का दूसरा राज्य हैं जहां टीबी रोगियों को गोद लेने के लिये सर्वाधिक नि-क्षय मित्रों का पंजीकरण किया गया है।

डॉ0 रावत ने बताया कि राज्य में अबतक 5221 नि-क्षय मित्रों ने अपना पंजीकरण किया है। जिसमें अल्मोड़ा जनपद में 428, बागेश्वर में 84, चमोली में 197, चम्पावत में 140, देहरादून में 458, पौड़ी में 356, हरिद्वार में 886, नैनीताल में 8843, पिथौरागढ़ में 242, रूद्रप्रयाग में 78, टिहरी गढ़वाल 261, ऊधम सिंह नगर में 1095 और उत्तरकाशी में 153 शामिल है। उन्होंने बताया कि ये सभी नि-क्षय मित्र गोद लिये गये टीबी रोगियों के उपचार एवं देखभाल में सहयोग करेंगे। विभागीय मंत्री ने बताया कि राज्य में 14536 टीबी रोगी पंजीकृत हैं जिसमें से 12766 रोगियों ने सामुदायिक सहायता प्राप्त करने के लिये अपनी सहमति प्रदान कर दी है। जिसमें अल्मोड़ा जनपद के 367, बागेश्वर के 159, चमोली के 316, चम्पावत के 175, देहरादून के 2398, पौड़ी के 460, हरिद्वार के 3330, नैनीताल के 1909, पिथौरागढ़ के 291, रूद्रप्रयाग के 213, टिहरी गढ़वाल के 426, ऊधम सिंह नगर के 2351 और उत्तरकाशी के 401 मरीज शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शत-प्रतिशत टीबी रोगियों को गोद लिया जायेगा। इसके लिये प्रदेशभर के निजी शिक्षण संस्थानों, विभिन्न विभागों के सचिवों एवं निदेशकों, समस्त जनपदों के मुख्य विकास अधिकारियों, विभिन्न संगठनों, व्यापारिक घरानों, एनजीओ सहित प्रतिष्ठित व्यक्तियों से नि-क्षय मित्र बनकर टीबी रोग उन्मूलन में सहयोग लिया जायेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत प्रत्येक नि-क्षय मित्र कम से कम एक और अधिकतम पांच टीबी मरीज गोद लेकर उनके उपचार में सहयोग प्रदान कर सकता है। गोद लिये गये टीबी रोगियों की नि-क्षय मित्र द्वारा समय-समय पर देखभाल की जायेगी साथ ही भारत सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के तहत प्रत्येक माह अतिरिक्त पोषण हेतु फूड बास्केट भी उपलब्ध कराना होगा।

लक्सर में चेकिंग के दौरान बाइक सवार बदमाशों ने पुलिसकर्मी पर झोंके फायर, पांच दिन में दूसरी घटना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की , 19 अक्टूबर। रुड़की के लक्सर में बुधवार देर शाम बाइक सवार दो बदमाशों ने कोतवाली के पास ही पुलिसकर्मी पर फायर झोंक दिया। इसके बाद बदमाश वापस बाइक दौड़ाकर भागने लगे। जिस पर पुलिस ने बाइक सवार बदमाशों का पीछा किया और फायर किया। जिससे बाइक पर पीछे बैठे एक बदमाश के पैर में गोली लग गई।

जिससे वह नीचे जा गिरा। पुलिस ने उसे दबोच लिया जबकि दूसरा बदमाश भागने में कामयाब रहा। जिसे कुछ देर बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने घायल बदमाश को रुड़की सिविल अस्पताल में भर्ती कराया है। मौके पर और सिविल अस्पताल में पुलिस बदमाशों के बारे में जांच पड़ताल में जुटी है। वहीं, बता दें कि पुलिसकर्मियों पर हमले की यह पांच दिन में दूसरी घटना है। हालांकि अभी ये खुलासा नहीं हो पाया है कि ये वही बदमाश हैं जिन्होंने रविवार को पुलिसकर्मियों पर फायर किया था या नहीं।

रविवार को लक्सर में दो सिपाहियों को गोली मारकर फरार हुए बदमाशों की पीले रंग की अपाचे बाइक आखिरी बार खानपुर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। इसके बाद बदमाश जंगल के रास्ते से फरार हो गए। कुछ ग्रामीणों ने भी पीले रंग की बाइक जंगल के रास्ते जाते देखी है। ऐसे में पुलिस को शक है कि बदमाशों ने भागने के लिए खानपुर क्षेत्र के संपर्क मार्गों का प्रयोग किया है और यहां से वह वेस्ट यूपी की सीमा में घुसे हैं।

रविवार शाम वारदात में विफल रहने के बाद फरारी के दौरान जिन बाइक सवार तीन बदमाशों ने सिपाहियों को गोली मारी थी, उनका अब तक कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस की पांच टीमें वेस्ट यूपी में बदमाशों की तलाश कर रही है। वहीं, घटना के बाद से लेकर मंगलवार तक पुलिस ने बदमाशों की तलाश के लिए लक्सर, खानपुर और लाडपुर तक करीब 350 सीसीटीवी कैमरे खंगाले हैं।

खानपुर में लगे एक कैमरे में पीले रंग की अपाचे बाइक पर फरार होते हुए तीनों बदमाश आखिरी बार नजर आए हैं। इसके बाद बदमाशों का कुछ पता नहीं चल सका। हालांकि, पुलिस ने संपर्क मार्गों पर जांच की तो पता चला कि एक पीले रंग की बाइक पर तीन युवक खानपुर से जंगल के रास्ते की तरफ जाते देखे गए थे। ऐसे में पुलिस को पूरा शक है कि बदमाश खानपुर से होते हुए वेस्ट यूपी की सीमा में प्रवेश किया है।

वारदात के बाद पुलिस हर एंगल पर जांच कर रही है। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगालने के साथ ही टावर डंप की मदद ली है। टावर डंप की मदद से पुलिस ने घटनास्थल पर चलने वाले कई हजार मोबाइल नंबरों को सर्च किया है। उसमें भी कोई संदिग्ध मोबाइल नंबर पुलिस को नहीं मिला है।

ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि बदमाशों के पास कोई मोबाइल नहीं था। पुलिस का पूरा फोकस पीले रंग की बाइक पर है। पुलिस इसके लिए लक्सर, रुड़की, हरिद्वार, खानपुर क्षेत्र में जिन लोगों के पास पीले रंग की बाइक है, उनकी भी कुंडली खंगाल रही है। साथ ही जानकारी होने पर उनसे पूछताछ कर रही है। इसके अलावा पुलिस मुजफ्फरनगर और मेरठ में भी पीले रंग की बाइक वालों की पूरी कुंडली खंगाल रही है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा